हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पात्र हितग्राहियों को मिलेगा हित लाभ

शहडोल। आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने और उन्हें स्थानीय नेतृत्व प्रदान करने के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक राष्ट्रीय आंदोलन है। इसका उद्देश्य 550 जिलों के 1 लाख गांवों में 20 लाख आदिवासी परिवर्तनकर्ताओं को संगठित करना और उन्हें सरकार व समुदायों के बीच एक पुल के रूप में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना है। यह अभियान बेहतर शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के माध्यम से आदिवासी समुदायों के समावेशी विकास के लिए एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन है। इसी उद्देश्य से जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत ढोलर,बसोहरा एवं बरना में कर्मचारियों द्वारा नजरी नक्शा तैयार कर, घर-घर जाकर लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। इस क्रम में पंचायत कर्मियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर पात्र हितग्राहियों का सर्वे किया जा रहा है।

वृद्धजनों को कंकाली मंदिर का कराया गया दर्शन

शहडोल। जिले के अंतरा ग्राम में स्थित कंकाली देवी मंदिर श्रद्धा और आस्था का केंद्र है। इस मंदिर में स्थापित चामुण्डा देवी की विशाल प्रतिमा अपने अद्वितीय स्वरूप के कारण विशेष महत्व रखती है। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की पहल पर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा कल्याणपुर स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को कंकाली देवी मंदिर के दर्शन हेतु ले जाया गया एवं वृद्धजनों ने मंदिर में दर्शन कर आत्मिक शांति एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

संभाग स्तरीय बास्केटबॉल चयन प्रतियोगिता सम्पन्न

शहडोल। स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में संभाग स्तरीय बालक एवं बालिका आयु वर्ग क्रमशः 14, 17 एवं 19 वर्ष का बास्केटबाल चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्कर्ष प्रदर्शन के आधार पर संभागीय टीम का चयन किया गया?। चयनित टीम 69 वीं शालेय राज्य स्तर प्रतियोगिता का आयोजन गुना में 17 वर्ष आयु वर्ग बालक ,बालिका दिनांक 13 से 17 अक्टूबर तक ,शहडोल में। 14 वर्ष बालिका का 23 से 26 अक्टूबर तक जबलपुर में। 14 वर्ष बालक 28 से 31 अक्टूबर तक, सीतामऊ (मंदसौर) में 19 वर्ष आयु बालक, बालिका, 19 से 23 नवंबर तक भाग लेंगे। बास्केटबॉल शालेय राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 14 वर्ष बालिका का आयोजन दिनांक 19 से 23 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

जनपद अध्यक्ष पति का जनपद कार्यालय में उत्पात

सहायक यंत्री को जातिसूचक गालियां, जान से मारने की धमकी

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत ब्यौहारी में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जनपद अध्यक्ष के पति बिपेन्द्र सिंह उर्फ प्रीतू अचानक जनपद कार्यालय पहुँच गए और सहायक यंत्री विजय सिंह से अभद्रता, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने लगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया, जिससे कार्यालयीन माहौल तनावपूर्ण हो गया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने किसी तरह मामले को शांत कराया, नहीं तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। पूरे मामले को लेकर म.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपते हुए जनपद अध्यक्ष पति के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की है।

भ्रष्टाचार की परतें भी खुलीं!

जनपद अध्यक्ष पति का तांडव

घटना 29 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 2:45 बजे की है। सहायक यंत्री विजय सिंह अपने कक्ष में बैठे कार्य कर रहे थे, तभी जनपद अध्यक्ष के पति बिपेन्द्र सिंह (प्रीतू) गुस्से में कार्यालय में घुस आए और बिना किसी कारण के गाली-गलौज शुरू कर दी। जब विजय सिंह ने गाली का कारण पूछा तो प्रीतू और भडक़ गए। आरोप है कि उन्होंने जातिसूचक गालियाँ देते हुए कहा तू बहुत बड़ा अफसर बन गया है, तेरी औकात दिखाता हूँ और जान से मारने की धमकी दी। विजय सिंह जैसे ही कार्यालय से बाहर निकले, प्रीतू अपनी गाड़ी की ओर दौड़े और कथित तौर पर हथियार निकालने लगे। हालांकि, मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें किसी तरह पकड़ लिया। गवाहों के अनुसार इसी बीच उनकी पत्नी जनपद अध्यक्ष आकांक्षी सिंह भी वहां पहुंचीं तो, पति ने उन्हें उकसाते हुए कहा कि इसे मारो, मुकदमा होगा तो मैं देख लूंगा।

पहले भी दे चुके हैं धमकियाँ

पीड़ित अधिकारी ने थाना ब्यौहारी में दी गई शिकायत में कहा है कि यह पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी जनपद अध्यक्ष पति कई बार कार्यालय में आकर अभद्र व्यवहार कर चुके हैं और फोन पर भी धमकियाँ दे चुके हैं। आरोप है कि वे सरकारी अधिकारियों पर अपने मनमाफिक काम करवाने का दबाव बनाते हैं। जब अधिकारी भ्रष्टाचार या गलत कामों से इंकार करते हैं, तो उन्हें धमकाया और अपमानित किया जाता है।

घटिया निर्माण और पंचायतों में भ्रष्टाचार

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह के कार्यकाल में उनके पति प्रीतू ही वास्तविक रूप से पंचायतों में ठेकेदारी और निर्माण कार्यों का संचालन करते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि अधिकांश निर्माण कार्य बेहद घटिया स्तर के हैं, चाहे वह सीसी रोड हो, नाली हो या पंचायत भवन हर जगह भ्रष्टाचार और लापरवाही की झलक मिलती है। जागरूक लोगों ने भी मांग की है कि पिछले सभी निर्माण कार्यों की जांच लोकायुक्त या आर्थिक अपराध शाखा से कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किस स्तर पर जनपद अध्यक्ष पति ने अपनी पकड़ बनाकर तंत्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा है।

प्रशासन अब कब जागेगा?

विजय सिंह ने अपनी शिकायत में लिखा है कि यदि भविष्य में उन्हें किसी प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जनपद अध्यक्ष पति बिपेन्द्र सिंह (प्रीतू) की होगी। उन्होंने थाना प्रभारी ब्यौहारी से एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन इस मामले में तुरंत और निष्पक्ष कार्रवाई करेगा या फिर यह भी फाइलों के ढेर में दब जाएगा? जनपद पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार और दबंगई का यह मामला स्थानीय प्रशासन और पुलिस दोनों की परीक्षा बन चुका है। जनता का कहना है कि यदि अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संदेश जाएगा कि सत्ता और रसूख के आगे कानून की कोई औकात नहीं बची है।

दुर्गा मंदिर से फूलमती आश्रम तक निकाली गयी भव्य चुनरी यात्रा

शहडोल

शारदेय नवरात्रि के अवसर पर देश भर में उत्साह का वातावरण है। माता के भक्त अलग-अलग तरीकों से माता की भक्ति में लीन है एक तरफ मंदिरो में सुबह से शाम तक जहां हिन्दू सनातन परम्परा से श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में आना-जाना लगा हुआ है । वहीं दूसरी ओर जगह-जगह पर माता की प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजन-अर्चन किए जा रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर माता की आराधना के इसी क्रम में जयसिंहनगर में पंचमी को अद्भुत नजारा देखने को मिला। नगर के दो प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां दुर्गा मंदिर से मां फूलमती मंदिर आश्रम खुशरवाह के बीच पिछले कई वर्षों से समाजिक संगठन जयसिंहनगर विकास मंच द्वारा निकाली जा रही चुनरी यात्रा मे हजारों की संख्या मे नगर की माताओं-बहनों के साथ श्रद्धालु जन चुनरी यात्रा मे शामिल हुए । गौरतलब है कि जयसिंहनगर विकास मंच के तत्वावधान में नगर में हर वर्ष शारदेय नवरात्र की पंचमी तिथि को चुनरी यात्रा का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया जाता है। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 110 मीटर लम्बी चुनरी मां दुर्गा मंदिर से विधि विधान के साथ पूजन-अर्चन कर मां फूलमती मंदिर में भेट की गयी । इस यात्रा में माता के स्वरूप में सुसज्जित नव देवियों का स्वरुप मुख्य रूप से आकर्षण का केंद्र रहीं । यात्रा मार्ग में जगह-जगह पर माता रानी के स्वरुप में उपस्थित झांकी की नगरवासियों ने पूजन-अर्चन कर सभी के मंगल के लिए प्रार्थना की।

विधायक मनीषा सिंह हुई शामिल

जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के मुख्यालय में आयोजित भव्य चुनरी यात्रा में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मनीषा सिंह शामिल हुईं यात्रा के समापन स्थल मां फूलमती मंदिर में चुनरी भेट कर मंगलकामनाएं कर कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से भेट की। इस दौरान भारी संख्या में नगरवासियों सहित भक्तजन उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग का फर्जी संविलियन घोटाला उजागर

अधिकारियों-कर्मचारियों की सांठगांठ से हुआ बड़ा खेल

प्रमोद कुमार मिश्रा को नियम विरुद्ध लाभ

दबाया गया कलेक्टर का आदेश, फर्जी दस्तावेजों पर जारी रहा वेतन भुगतान

शहडोल। जिले के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का एक और बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। मामला एक वरिष्ठ अध्यापक के नियम विरुद्ध संविलियन से जुड़ा है, जिसमें विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से न केवल शासन को गुमराह किया गया बल्कि लाखों रुपये का वेतन भुगतान भी गैरकानूनी तरीके से जारी रहा। मामले के केंद्र में वरिष्ठ अध्यापक प्रमोद कुमार मिश्रा हैं, जिनकी मूल पदस्थापना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौंडी कला जनजातीय कार्य विभाग विकासखंड जयसिंहनगर में थी, लेकिन षड्यंत्रपूर्वक उन्हें स्कूल शिक्षा विभाग में समायोजित कर दिया गया, वह भी बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया और आदेश के।

कौन है मास्टरमाइंड

इस पूरे घोटाले के सूत्रधार के रूप में कई नाम सामने आए हैं, जिसमें प्रमोद कुमार मिश्रा लाभार्थी शिक्षक, मूल रूप से जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारी संतोष कुमार मिश्रा सहायक ग्रेड-1 लिपिक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल, तत्कालीन स्थापना प्रभारी माना जा रहा है कि वही मास्टरमाइंड हैं, जिन्होंने सारे कागजी खेल रचे। शिवचरण पाण्डेय तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य, शा. उ.मा.वि. बालक बुड़वा, जिनकी भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। उमेश कुमार धुर्वे और रणमत सिंह तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी, जिनकी मौन सहमति के बिना यह खेल संभव नहीं था।

कैसे रची गई घोटाले की स्क्रिप्ट?

20 सितंबर 2016 को कलेक्टर शहडोल के आदेश क्रमांक 2100 द्वारा प्रमोद मिश्रा का संलग्नीकरण मात्र अस्थायी आधार पर जनजातीय कार्य विभाग से स्कूल शिक्षा विभाग में किया गया था, लेकिन इसी आदेश के बाद लिपिक संतोष मिश्रा ने चाल चली, उन्होंने प्रमोद मिश्रा की सेवा पुस्तिका और अंतिम वेतन प्रमाण पत्र पौंडी कला से मंगवाकर सीधे बालक बुड़वा स्कूल में दर्ज कर दिए। यहीं से गैरकानूनी खेल शुरू हुआ, नियमों को ताक पर रखकर प्रमोद मिश्रा का वेतन स्कूल शिक्षा विभाग से बनना शुरू हो गया, जबकि वे मूल रूप से जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारी थे।

दबाया गया कलेक्टर का आदेश

जब मामला प्रकाश में आया तो तत्कालीन कलेक्टर श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने 20 जुलाई 2018 को आदेश क्रमांक 4364 जारी करते हुए इस संलग्नीकरण को तत्काल निरस्त कर दिया। आदेश में स्पष्ट लिखा गया था कि प्रमोद कुमार मिश्रा को उनकी मूल संस्था पौंडी कला जनजातीय कार्य विभाग में तुरंत वापिस भेजा जाए तथा सेवा पुस्तिका एवं वेतन अभिलेख वहीं संलग्न किए जाएं, लेकिन यह आदेश फाइलों में ही दफन कर दिया गया। आरोप है कि लिपिक संतोष मिश्रा ने मोटी रकम लेकर आदेश को दबा दिया और प्रमोद मिश्रा को वहीं बने रहने दिया। प्रमोद मिश्रा स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत काम करते रहे और वर्षों तक नियम विरुद्ध वेतन लेते रहे, जबकि कलेक्टर का स्पष्ट आदेश कुछ और था।

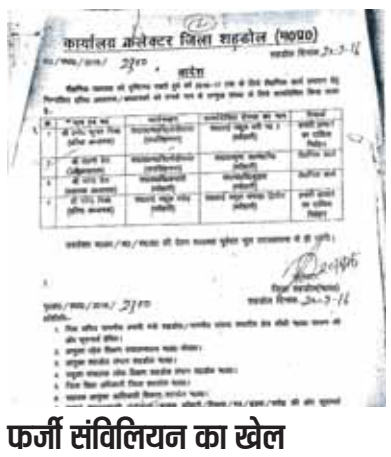

फर्जी संविलियन का खेल

इसके बाद अगला चरण संविलियन का फर्जीवाड़ा शुरू हुआ, सूत्र बताते हैं कि स्थापना लिपिक, प्रभारी प्राचार्य और डीईओ कार्यालय के अधिकारियों की मिलीभगत से प्रमोद मिश्रा का फर्जी संविलियन स्कूल शिक्षा विभाग में करा दिया गया। इस प्रक्रिया में किसी भी वैधानिक स्वीकृति या शासनादेश का पालन नहीं किया गया। विभाग को गुमराह करते हुए दस्तावेजों को इस तरह तैयार किया गया जैसे यह संविलियन विधिसम्मत हो।

कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग

शिकायत में मांग की गई है कि प्रमोद कुमार मिश्रा वरिष्ठ अध्यापक,संतोष कुमार मिश्रा सहायक ग्रेड-1, स्थापना लिपिक, शिवचरण पाण्डेय प्रभारी प्राचार्य, बुड़वा, तत्कालीन डीईओ उमेश कुमार धुर्वे व रणमत सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज, जालसाजी और फर्जी कागजात का प्रयोग के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। साथ ही यह भी मांग उठी है कि प्रमोद मिश्रा का स्कूल शिक्षा विभाग में किया गया फर्जी संविलियन निरस्त कर उन्हें मूल संस्था पौंडी कला जनजातीय कार्य विभाग में वापस भेजा जाए।

मालगाड़ी की चपेट में आने से दो दोस्तों की मौत

आत्महत्या कर रहे दोस्त को बचाने के चक्कर में दूसरे ने भी तोड़ा दम

शहडोल। कोतवाली क्षेत्र के मुडऩा पुल के ऊपर रेलवे ट्रैक में ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है। एक युवक आत्महत्या करने रेलवे ट्रैक में लेट गया, जिसे बचाने के चक्कर में उसके दोस्त की पहले मौत हो गई और दूसरे युवक की उपचार के लिए जबलपुर ले जाने दे दौरान मौत हो गई है। घटना बीती रात्रि तीन बजे की बताई जा रही है। मामले की जांच जीआरपी पुलिस ने शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मुडऩा पुल के ऊपर यह घटना बीती रात्रि तीन बजे घटी है। जीआरपी पुलिस के अनुसार दोनों युवक पुरानी बस्ती के निवासी है। थाना प्रभारी के अनुसार सुरेश सोनी और सचिन सोनी रिश्ते के भाई है और दोनों दोस्त थे। दुर्गा पंडाल में बैठे-बैठे सुरेश किसी बात पर नाराज हो गया और पैदल आत्महत्या करने रेलवे ट्रैक पहुंच गया। सुरेश ने अपने साथी सचिन से कहा कि वह अब जीना नहीं चाहता, जिसे समझाने की कोशिश सचिन ने की, लेकिन सुरेश नहीं माना, सुरेश के पीछे-पीछे सचिन भी चल पड़ा और मुडऩा नदी पुल के ऊपर स्थित रेलवे ट्रैक में जा कर सुरेश लेट गया।

सुरेश को बचाने के चक्कर में सचिन ने रेलवे ट्रैक से उसे उठाने की कोशिश की, तभी कटनी से शहडोल की ओर आ रही मालगाड़ी की चपेट में आने से सचिन की मौके पर मौत हो गई। घटना में सुरेश गंभीर घायल हुआ। मालगाड़ी के चालक ने स्टेशन मास्टर को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मौके पर टीम पहुंची और सुरेश जो गंभीर घायल था, उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, हालत नाजुक देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया, उपचार के दौरान सुरेश की उमरिया में रास्ते में ही मौत हो गई है।

इनका कहना है...

मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। दोस्त को बचाने के चक्कर में सचिन की मौत हुई है, ट्रेन की चपेट में आने से सुरेश ने भी दम तोड़ दिया है।

आर.एम.झरिया
थाना प्रभारी
जीआरपी शहडोल

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए सानिया और उर्मिला का चयन

जयसिंहनगर। जनजातीय कार्य विभाग के वार्षिक खेल कैलेंडर के अंतर्गत 28 से 29 सितंबर 2025 तक आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जयसिंहनगर की दो छात्राओं ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नैनपुर (जिला मंडला) में संपन्न इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से विभिन्न जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें पूर्व क्षेत्र से सानिया सिंह एवं उर्मिला सिंह, शासकीय सांदीपनि विद्यालय जयसिंहनगर की छात्राएँ, राज्य स्तरीय मुकाबलों के लिए चयनित हुईं। सानिया और उर्मिला ने अपनी लगन, परिश्रम और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय परिवार में इस सफलता से उत्साह का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य राजीव तिवारी ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि समूचे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सानिया और उर्मिला आगामी मुकाबलों में भी बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर और ऊँचा करेंगी। विद्यालय के समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी दोनों छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सिविल अस्पताल जयसिंह नगर में फैला खौफ

इलाज कराने जाओ तो जेल जाना तय!

बीएमओ की मनमानी से जनता त्रस्त, अस्पताल बना 'मधुशाला'

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर का सिविल अस्पताल इन दिनों इलाज से ज्यादा दहशत का केंद्र बन गया है। जहां कभी मरीज इलाज के भरोसे आते थे, वहीं अब लोग कदम रखने से पहले डरते हैं कि कहीं दवाई कराने आएं और जेल न चले जाएँ। कारण है बीएमओ डॉ. आनंद प्रताप सिंह, जिनकी शराबखोरी, अभद्रता और मरीजों पर एफआईआर करवाने की घटनाओं ने पूरे नगर में आतंक फैला दिया है। पूर्व में भी विवादों में घिरे रहे डॉ. आनंद प्रताप सिंह जब एक बार फिर सिविल अस्पताल में बीएमओ बनकर लौटे, तो अस्पताल का माहौल इलाज से ज़्यादा दारू की बोतलों से महकने लगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉक्टर साहब दिनभर नशे में धुत रहते हैं और अस्पताल में अपने कुछ साथियों के साथ खुलेआम शराबखोरी करते हैं। इलाज के नाम पर मरीजों से उलझना, गाली-गलौज करना और बाद में थाने में उन पर रिपोर्ट दर्ज करा देना - ये अब रोज़ का क्रम बन चुका है।

मरीज बने अपराधी, डॉक्टर बना 'दरोगा'

बीते दिनों राहुल सोनी, निवासी खुशरवाह, इस भयावह हालात का शिकार हुए। वे लीवर की समस्या लेकर अस्पताल पहुँचे थे। उनका आरोप है कि डॉक्टर साहब नशे में थे, उन्होंने गैस की गोली पकड़ा दी। जब राहुल ने एतराज जताया तो डॉक्टर ने गालियाँ दीं, धक्का-मुक्की की और उल्टा उन्हीं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। राहुल को 24 घंटे तक जेल में रहना पड़ा। उनकी पीड़ा भरी शिकायत अब मानव अधिकार आयोग तक पहुँच चुकी है।

अस्पताल या शराबखाना?

स्थानीय नागरिकों और अस्पताल के कर्मचारियों का कहना है कि डॉ. सिंह के कार्यकाल में अस्पताल का माहौल पूरी तरह बिगड़ चुका है। ओपीडी में बैठने के बजाय डॉक्टर और उनके साथी अस्पताल परिसर में शराब पीते नजऱ आते हैं। मरीजों की फरियाद सुनने की जगह, उनके साथ हाथापाई की घटनाएँ हो रही हैं। यह हालात न सिर्फ सरकारी सेवा की गरिमा के खिलाफ हैं बल्कि मानवता के भी शर्मसार करने वाले हैं।

सीएमएचओ बने मौन दर्शक

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा को इस डॉक्टर की हरकतों की कई बार लिखित शिकायत की जा चुकी है। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय सामाजिक संगठनों ने भी कार्रवाई की मांग की, पर अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। लोगों में सवाल है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी घटना का इंतज़ार कर रहा है?

जनता का उबलता आक्रोश

जयसिंहनगर के नागरिकों में भारी आक्रोश है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस शराबी डॉक्टर को तुरंत हटाया नहीं गया, तो वे आमरण अनशन पर बैठेंगे। उनका कहना है, जिस अस्पताल में डॉक्टर ही मरीजों पर मुकदमे करवाए, वहाँ इलाज की उम्मीद करना बेईमानी है। इलाके में एक ही चर्चा है कि सिविल अस्पताल में दवा नहीं, डर बंट रहा है। लोगों का कहना है कि बीएमओ के आतंक ने सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोल दी है। अब वक्त है कि प्रशासन नींद से जागे और उस डॉक्टर पर कार्रवाई करे जिसने अस्पताल को अस्पताल नहीं, मधुशाला बना दिया है।

नागरिक अधिकार न्याय यात्रा का स्वागतः तिवारी

आदिवासी अधिकार न्याय यात्रा का प्रस्ताव

PRESS NOTE

शहडोल। जिला व्यापारी संघ द्वारा 3 अक्टूबर 2025 को नगर विकास के लिए संपूर्ण बाजार बंद का आवाहन किया गया है तथा नागरिक अधिकार न्याय यात्रा न्यू बस स्टैंड से न्यू गांधी चौक तक निकालने का निर्णय लिया गया है। संदीप कुमार तिवारी अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि मैं व्यक्तिगत तौर पर इस जनहितैषी पहल का स्वागत करता हूँ और जिले के समस्त व्यापारी वर्ग का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। संभाग और हमारा जिला आदिवासी बहुल क्षेत्र है, यहां वर्षों से आदिवासी समुदाय की भूमि पर प्रभावशाली वर्ग द्वारा अवैध कब्जा किया जाता रहा है, यह केवल एक कानूनी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। इसी परिप्रेक्ष्य में मेरा यह विनम्र सुझाव है कि व्यापारी वर्ग, जो समाज का सक्षम वर्ग है, नागरिक अधिकार न्याय यात्रा की तरह ही आदिवासी अधिकार न्याय यात्रा निकालने का भी संकल्प ले। इस यात्रा की शुरुआत यदि जिला व्यापारी संघ शहडोल के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता , जो मेरे बड़े भाई जैसे है, उनके नेतृत्व में हो, तो यह न केवल ऐतिहासिक कदम होगा, बल्कि समाज में न्याय और सद्भाव का आदर्श प्रस्तुत करेगा। यहां विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि ग्राम कंचनपुर, पटवारी हल्का कंचनपुर, तहसील सोहागपुर स्थित आराजी खसरा नंबर 1505 मूलतः आदिवासी वर्ग की भूमि है, वर्तमान समय में उक्त भूमि के अंश भाग पर लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता जी के नाम दर्ज है। मैं बड़े भाई से सार्वजनिक अपील करता हूँ कि वे सद्भावना और न्याय की मिसाल कायम करते हुए इस भूमि का त्याग कर आदिवासी परिवार को सौंप दें। ऐसा करने से निश्चित ही समाज में एक नई चेतना का संचार होगा और अन्य प्रभावशाली लोग भी आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा हेतु प्रेरित होंगे। आज आवश्यकता है कि हम सब मिलकर संविधान की आत्मा के अनुरूप आदिवासी समाज के हक़ और अधिकार की रक्षा करें। व्यापारी वर्ग यदि इस दिशा में पहल करता है तो, यह शहडोल ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और देश के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

आदिवासी अंचल के बच्चों को मिली सौगात

विद्यालय में लगा आरओ फिल्टर, बच्चों और शिक्षकों ने जताया आभार

शहडोल। आदिवासी अंचल के अमलाई क्षेत्र स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों और शिक्षकों के लिए एक बड़ी सौगात दी गई है। पशु चिकित्सक डॉ. विशाल पुरी के प्रयासों और विबेक एनिमल हेल्थ कंपनी के सहयोग से विद्यालय में आरओ जल फिल्टर लगवाया गया। अब विद्यालय के बच्चे और शिक्षक शुद्ध एवं स्वच्छ जल का सेवन कर सकेंगे। इस सुविधा से विद्यालय में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्य एक्का मैडम सहित शिक्षक सत्यकुमार त्रिपाठी, जी.एल. साकेत, वर्षा ठाकुर, प्रमिला जांगड़े, स्वाति दासिया, जमीला अहमद, लाल बहादुर नाई और एल.पी. सिंह मौजूद रहे। सभी ने इस सराहनीय पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यदि समाज के लोग इसी तरह आगे आएँ तो ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के विद्यालयों का कायाकल्प हो सकता है। विद्यालय की प्राचार्य ने कहा कि यह सहयोग हमारे विद्यालय और बच्चों के लिए अमूल्य योगदान है। अब तक बच्चों को स्वच्छ जल न मिलने से अनेक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आरओ फिल्टर लगने से बच्चों का स्वास्थ्य सुधरेगा और वे अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगे।

इस अवसर पर डॉ. विशाल पुरी ने कहा पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्चा धर्म है। प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है। यदि हमारे छोटे से प्रयास से बच्चों को शुद्ध जल मिल पाता है और वे स्वस्थ रह पाते हैं, तो यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। भविष्य में भी हम विद्यालय की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। बच्चों ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें बीमारियों से निजात मिलेगी और गर्मी के दिनों में भी ठंडा व शुद्ध पानी उपलब्ध रहेगा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने तालियों से आभार व्यक्त किया और शिक्षकों ने भी इसे प्रेरणादायक कदम बताया। यह सहयोग केवल विद्यालय ही नहीं बल्कि पूरे अंचल के लिए प्रेरणा बना है। जब समाज का प्रत्येक वर्ग पीड़ित मानवता की सेवा में आगे आएगा, तभी सच्चे अर्थों में शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर ऊँचा उठ सकेगा।

जबलपुर हाईकोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की नई भर्ती पर रोक

पुराना चयन बहाल करने का आदेश न्यायालय ने विश्वविद्यालय को जवाब तलब किया

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल में गैर-शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया पर आखिरकार जबलपुर हाईकोर्ट का कठोर निर्णय सामने आ गया है। सहायक ग्रेड-3, पुस्तकालय सहायक और प्रयोगशाला तकनीशियन जैसे पदों पर वर्षों से लंबित भर्ती को लेकर मचे विवाद पर अदालत ने विश्वविद्यालय प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। न्यायालय ने विश्वविद्यालय द्वारा पुनः भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने के आदेश को निरस्त कर दिया है और पुराने चयन को बहाल करने का निर्देश दिया है।

यह मामला 07 दिसंबर 2021 को जारी विज्ञापन से शुरू हुआ था। परीक्षा सम्पन्न हुई, परिणाम घोषित हुआ, लेकिन मेरिट सूची सार्वजनिक नहीं की गई। याचिकाकर्ता—जिन्होंने परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था, उन्होंने विश्वविद्यालय से नियुक्ति आदेश की मांग की, जिस पर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने विश्वविद्यालय को चयन प्रक्रिया पूर्ण कर नियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया, मगर विश्वविद्यालय ने आदेश की अवहेलना कर दी। इसके बाद अवमानना याचिका क्रमांक 132/2023 दाखिल की गई। इसी बीच कुलपति परिवर्तन हुआ और विश्वविद्यालय ने कार्यकारी परिषद की बैठक 03फरवरी 2023 के हवाले से पुराने चयन को निरस्त कर नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का फरमान जारी कर दिया।

विश्वविद्यालय की मनमानी पर कोर्ट का प्रश्नचिह्न

न्यायालय ने 07 अगस्त 2025 को यह पाया कि विश्वविद्यालय ने अपने उत्तर में कहा कि कई शिकायतें और अभ्यावेदन मिलने के कारण प्रक्रिया रद्द की गई, लेकिन आदेश में इसका कोई उल्लेख तक नहीं है। अदालत ने इस विसंगति को गंभीर प्रशासनिक असंगति मानते हुए विश्वविद्यालय को विशिष्ट हलफनामा दायर करने का आदेश दिया, जिसमें शिकायतों, जांच समिति की रिपोर्ट और निरस्तीकरण के कारणों का स्पष्ट विवरण मांगा गया। इसके बाद विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त हलफनामा दायर किया, जिसमें कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों ने अंकों को लेकर असंतोष व्यक्त किया और मॉडल उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की मांग की। इसी के बहाने विश्वविद्यालय ने पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त घोषित कर दिया।

जांच समिति के गठन में खेल

दस्तावेजों के अनुसार, 08 सितंबर 2022 को कुलसचिव ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से 22, 26 और 28 सितंबर 2022 को मात्र दस दिनों में समिति का चार बार पुनर्गठन किया गया। प्रारंभिक समिति में शामिल डॉ. पंकज श्रीवास्तव (अपर निदेशक, उच्च शिक्षा) जिन्हें एक स्वतंत्र और अनुभवी सदस्य के रूप में जोड़ा गया था, उसको बाद में बिना कारण हटा दिया गया। आदेशों में पुनर्गठन के कारणों का कोई उल्लेख नहीं, जिससे याचिकाकर्ताओं का यह तर्क मजबूत हुआ कि समिति का स्वरूप 'पूर्व-निर्धारित निष्कर्ष' के अनुरूप बदला गया था।

जांच रिपोर्ट की आठ बड़ी विसंगतियाँ

समिति ने अपनी रिपोर्ट में आठ प्रमुख त्रुटियाँ बताईं, परीक्षा अधिसूचना में 200 अंकों का उल्लेख था, पर परीक्षा 100 अंकों की कराई गई। चयन समिति का गठन नहीं किया गया। परीक्षा एजेंसी के चयन का कोई प्रमाण नहीं। अपात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी हुए। परीक्षा केंद्र के नाम में विश्वविद्यालय का ही नाम गलत लिखा गया। कुछ अभ्यर्थियों के बीच टेलीफोन पर रिश्वत की चर्चा। परिणाम घोषित होने के बाद आपत्तियाँ नहीं मांगी गईं। प्रश्नपत्र और अधिसूचना में अनुवाद संबंधी गंभीर त्रुटियाँ। हालाँकि, विश्वविद्यालय के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि यह विश्वविद्यालय का नियोक्ता अधिकार है कि वह यदि चाहे तो चयन प्रक्रिया रद्द कर पुनः प्रारंभ कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिकायतों की समीक्षा तीन सदस्यीय समिति ने की और नई प्रक्रिया की अनुशंसा दी।

हाईकोर्ट का दो टूक फैसला

न्यायालय ने यह साफ किया कि चयन प्रक्रिया को रद्द करने के लिए ठोस, सार्वजनिक और तर्कसंगत कारण होना आवश्यक है। सत्ता परिवर्तन या कुलपति की नई प्राथमिकताएँ इस निर्णय का आधार नहीं बन सकतीं। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के अनेक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि नियुक्ति न करने का निर्णय भी यदि मनमाना हो, तो वह न्यायिक समीक्षा के दायरे में आएगा (शंकरशन दास बनाम भारत संघ, एस.एस. बालू बनाम केरल, दिनेश कुमार कश्यप बनाम दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)। कोर्ट ने पाया कि विश्वविद्यालय के आदेश में बताए गए कारण और अदालत में दिए गए तर्कों में कोई सामंजस्य नहीं है। शिकायतों का कोई सार्वजनिक उल्लेख नहीं किया गया, न ही जांच रिपोर्टों को साझा किया गया। समिति का चार बार पुनर्गठन संवेदनशीलता से रहित प्रशासनिक हस्तक्षेप माना गया। अदालत ने कहा कि यह पूरा निर्णय अतार्किक, अपूर्ण और मनमाना है।

अदालत के निर्देश

न्यायालय ने विश्वविद्यालय को आदेशित किया कि वह तुरंत मॉडल उत्तर कुंजी जारी करे, अभ्यर्थियों से आपत्तियाँ आमंत्रित करे, आपत्तियों का निस्तारण कर अंतिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करे, 45 दिनों के भीतर चयन समिति गठित कर अंतिम चयन सूची तैयार करे। इस प्रकार न्यायालय ने विश्वविद्यालय के आदेश और जांच रिपोर्ट दोनों को निरस्त कर दिया।

मुख्य प्रश्न जो न्यायालय ने उठाए

पूर्व चयन को रद्द करने के क्या कारण थे और क्या वे लिखित रूप में अंकित हैं? विश्वविद्यालय ने शिकायतों व जांच रिपोर्टों का सार्वजनिक उल्लेख क्यों नहीं किया? समिति को बार-बार पुनर्गठित करने का औचित्य क्या था? क्या यह निर्णय सत्ता परिवर्तन आधारित प्राथमिकताओं के तहत लिया गया? यह ऐतिहासिक फैसला उन सभी अभ्यर्थियों के लिए उम्मीद की किरण बना है जो वर्षों से विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे थे। इस मामले की पैरवी जबलपुर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता अभिषेक पांडे द्वारा की गई।

मुख्य सचिव ने भावांतर योजना की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की समीक्षा

ई उपार्जन पोर्टल पर कल से 17 अक्टूबर तक किया जाएगा पंजीयन

उमरिया। मुख्य सचिव व्दारा भावांतर योजना के क्रियान्यवन के संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टरों , मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की । इस अवसर पर उमरिया एनआईसी में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह , सहायक संचालक उद्यानिकी झनक सिंह मरावी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बताया गया कि प्रदेश में योजना के तहत पंजीयन ई उपार्जन पोर्टल पर 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक किया जाएगा । पंजीयन पीएसीएस, सीएससी, एम पी किसान एप के माध्यम से कराए जाएंगे । योजना अंतर्गत सोयाबीन विक्रय की अवधि 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक रहेगी ।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में भावांतर योजना की जानकारी सचिवों व्दारा दिए जाने की बात कही गई । सभी कृषि उपज मंडियो मे होर्डिंग्स एवं पंजीयन केंद्र पर बैनर के माध्यम से योजना की जानकारी दी जाएगी । किसानों एवं व्यापारियों के वाटसटप ग्रुप पर एस एम एस के माध्यम से पंजीयन की अनिवार्यता एवं अंतिम तिथि के बारे में जानकारी भेजी जाएगी । वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कहा गया कि जिले के प्रभारी मंत्री, जिला कलेक्टर , विधायक, सांसद, किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए । बैठक उपरांत स्थानीय मीडिया के साथ योजना के बारे मे चर्चा की जाए । भावांतर योजना का व्यापक प्रचार प्रसार , योजना मे निहित लाभ की जानकारी एवं जन जागरण हेतु ट्रेक्टर, मोटर सायकिल रैली आयोजित की जाए। प्रत्येक कृषि उपज मंडी स्तर पर भारसाधक अधिकारी एवं मंडी सचिव व्दारा स्थानीय जनप्रतिनिधि किसान संगठन एवं व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित कर चर्चा की जाए । सभी मंडियों मे भावांतर सहायता डेस्क स्थापित किए जाए।कृषको के टेस्टीनमोनियल वीडियो विश्सनीयता के साथ रिकार्ड किए जाए।संपूर्ण योजना पर निगरानी रखी जाए । प्रत्येक मंडी हेतु एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए । योजना के दुरूपयोग को रोकने हेतु व्यापारी के स्टॉक की उपलब्ध रियल टाइम जानकारी का समय समय पर सत्यापन किया जाए । मॉडल रेट की सतत निगरानी जिससे कि आवश्यक गिरावट न हो । भावांतर योजना के तहत खरीदी किए गए सोयाबीन का भुगतान बैंक खातो में सुनिश्चिनत किया जाए ।

राज्यमंत्री लखन पटेल अल्प प्रवास पर पहुंचे बांधवगढ़

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान से किसानों में बढ़ेगी जागरूकता: पटेल

उमरिया। मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विभाग लखन पटेल अल्प प्रवास पर बांधवगढ़ पहुंचे। इस अवसर पर उन्होने पत्रकारों से रूबरू चर्चा करते हुए बताया कि किसानों की पशु पालन से आय बढाने और दुग्ध उत्पादन को दो गुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उददेश्य से प्रदेश में 2 अक्टूबर 2025 से 9 अक्टूबर 2025 तक दुग्ध समृद्वि संपर्क अभियान शुरू हो रहा है।पहले चरण में 10 या 10 से अधिक गौवंश रखने वाले पशुपलकों से सपंर्क किया जाएगा (प्रजनन योग्य) दूसरे चरण चरण में 5 या अधिक गौवंश रखने वाले एवं तीसरे चरण में 5 या उससे कम गौ वंश रखने वाले पशु पलकों से संपर्क किया जाएगा।

अभियान के दौरान सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी एवं मैत्री द्वारा पशुपालकों को पशु पोषण स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के संबध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य पशु नस्ल सुधार करना है जिससे भारी तादाद में सडक़ों में आवारा घूम रहे पशुओं की नस्ल में भी सुधार हो सकेगा और उनकी संख्या में कमी आएगी। दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा इससे हितग्राही अपने मवेशियों का भरपूर ध्यान रख सकेगा। स्वावलंबी गौशालाओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी 14 जगहों पर 5000 एकड़ में अलग-अलग जगह पर गौशालाएं बना रहे हैं जिसमें 5000 गायों से लेकर 25000 गायों को रखने का प्रावधान है,जो व्यावसाय के तौर पर होगा जिसमें गोबर गैस और अच्छी खाद बनाई जाएगी।अन्य जिलों में भी इसे विस्तारित करने का प्रावधान है। इस अवसर पर उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉक्टर के के पाण्डेय सहित विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिकल सेल एनीमिया के संबंध में प्रस्ताव पारित कराने निर्देश जारी

उमरिया। सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम एवं उपचार हेतु माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल के मार्गदर्शन में संचालक सह आयुक्त पंचायती राज संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल ने बताया कि जनजातीय प्रकोष्ठ की बैठक में प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में जिले में 2 अक्टूबर 2025 को होने वाली ग्राम सभाओं में सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर आयुष्मान आरोग्य केंद्रो से समन्वय स्थापित कर सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग करना सुनिश्चित किए जाने तथा आयु समूह 0-40 वर्ष के जनजातीय युवाओं को अनिवार्य रूप से जेनेटिक काउन्सलिंग कार्ड वितरण किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है,ताकि कार्ड मिलने के पश्चात ही विवाह संबंध का निर्णय लिया जा सके। ग्राम सभा क्षेत्र में निवासरत सभी नागरिकों की सिकल सेल एनीमिया की जांच एवं विवाह से पूर्व कार्ड मिलान कर ही विवाह करने का निर्णय लेंगे, ऐसा ठहराव प्रस्ताव पारित किया जाए। वर्तमान में मध्यप्रदेश में लगभग 1 करोड़ 21 लाख 40 हजार से ज्यादा व्यक्तियों की जांच हो गई है जिसमें लगभग 2 लाख 22 हजार व्यक्ति वाहक एवं लगभग 32 हजार से अधिक सिकल सेल रोगी हैं। रिपार्ट में वाहक संख्या 2 लाख से अधिक पाया जाना एक गम्भीर विषय हैं क्योंकि वाहकों के आपस में विवाह करने से यह रोग आने वाली पीढ़ी में जाएगा । जिसे रोकने के लिए जागरूकता ही एक उपाय है और ग्रामीण स्तर पर इस तरह के ठहराव प्रस्ताव पारित करना प्रदेश को सिकल सेल एनीमिया रोग से मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रगान के साथ की गई शासकीय कामकाज की शुरूआत

उमरिया। संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान तथा मध्यप्रदेश गान के साथ शासकीय काम काज की शुरूआत की गई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

आज नगर से मैहर रवाना होगी पद रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। विजयदशमी पर्व पर नगर के बस स्टैंड एवं वार्ड क्रमांक एक से माता रानी का रथ नगर भ्रमण उपरांत पद यात्रियों के जत्थे के साथ मैहर तक रवाना होगा। रास्ते से बदरा के सकोला गांव से भी माता की एक झांकी पदरथ यात्रा के लिए रवाना होगी। बता दें कि बस स्टैंड में स्थित मां शैलपुत्री भक्ति मंडल समिति के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने पर विजयदशमी के दिन कोतमा से मैहर विशाल पदरथ यात्रा लेकर जाएगी। आयोजन मंडली के सदस्यों द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई हैं। धार्मिक नगरी कोतमा से मैहर यात्रा ले जाने की प्राचीन एवं सनातनी परंपरा चली आ रही है। इसके पूर्व भी वर्ष 1987,90,93, 2015 एवं 21 में भी विशाल एवं भव्य यात्रा कोतमा से मैहर तक गई थी। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं की संख्या में महिला, पुरुष युवा शामिल रहते हैं। दशहरे के दिन दोपहर में मां दुर्गा की झांकी को नगर के प्रमुख मार्गों पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसका जगह जगह स्वागत पुष्प वर्षा एवं पूजा अर्चना किया जाएगा। यात्रा के दौरान पूरे नगरवासी उमड़ पड़ेंगे। शाम को यात्रा बदरा होकर फुनगा पहुंचेगी जहां भोजन एवं रात्रि विश्राम किया जाएगा। सुबह 3 अक्टूबर को भक्तों का जत्था चचाई होते हुए रात्रि विश्राम बुढार में करेगी।, 4 अक्टूबर को शहडोल भ्रमण करते हुए रात्रि विश्राम घुनघुटी में होगा, 5 को दिन में पाली होते हुए रात को ज्वालाधाम उचेहरा रुकेगी, 6 को खितौली रोड एवं कुआंगांव में यात्रा रहेगी। 7 अक्टूबर को बरही होते हुए रात का भोजन एवं ठहरना भदनपुर में एवं 8 अक्टूबर को मैहर पहुंच नगर भ्रमण एवं प्रतिमा विसर्जन कर दर्शन उपरांत सभी भक्तों की नगर वापसी होगी। समिति द्वारा पंजीयन कराते हुए व्यापक तैयारी की जा रही है। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर जाएंगे। जिनके वस्त्र, भोजन, रुकने, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाएं समिति प्रदान करेगी। कोतमा नगर एवं उससे लगे आधा सैकड़ा से ज्यादा गांवों में इस धार्मिक यात्रा को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सैकड़ो की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष यात्रा की तैयारी में जुट गए है।

सात दिवसीय हाथी महोत्सव का भव्य समापन समारोह संपन्न

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि हाथी महोत्सव कार्यक्रम का समापन समारोह रामा कैंप ताला में भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ। हाथी महोत्सव के सातवें दिवस हाथियों को विशेष भोग,महावतों एवं चारा कटर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजन से हुई,जिसके पश्चात ताला एवं मानपुर क्षेत्र के स्कूल के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। बिझरिया गांव से आए बैगा जनजाति के बंधुओं ने पारंपरिक कर्मा एवं सैला नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। हाथियों और महावतों को समर्पित यह सात दिवसीय हाथी महोत्सव समापन के साथ यह विशेष दिवस इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि संरक्षण केवल वन्य जीवों का नहीं, बल्कि उन लोगों का भी है जो प्रतिदिन उनके साथ रहकर उनकी देखभाल और सेवा करते हैं।

इस अवसर पर कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र कुमार जैन, क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया डॉ अनुपम सहाय,पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भगवानी,सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया विवेक सिंह, उप वनमंडलाधिकारी पनपथा, ताला, वन परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर,ताला एवं वन्य प्राणी चिकित्सक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया ,जनप्रतिनिधि , कार्बेट फाउंडेशन , डब्ल्यूसीटी एवं एलडब्ल्यूएफ अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी, जिप्सी संगठन के प्रतिनिधि, गाइड संगठन प्रतिनिधि, रिजॉर्ट संगठन के प्रतिनिधि सभी मीडिया और सभी संस्थाओं के पदाधिकारी,क्षेत्र संचालक कार्यालय उमरिया का कार्यालय स्टाफ,वन विद्यालय ताला के वनरक्षक प्रशिक्षु ,ईको विकास समिति अध्यक्ष एवं सदस्य ,हाई स्कूल ताला,मिडिल स्कूल ताला एवं हाई स्कूल मानपुर के छात्र छात्राएं आदि सभी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सात दिवसीय उत्सव का उद्देश्य कैंप हाथियों के स्वास्थ्य, देखभाल और मानसिक सुकून' को बढ़ावा देना था। इस दौरान हाथियों को न केवल विश्राम मिला , बल्कि उनके लिए विशेष उपचार, पोषण और मनोरंजन की व्यवस्था भी की गई । हाथियों का संपूर्ण चिकित्सकीय परीक्षण, डिवॉर्मिंग, पैर एवं दांतों की देखभाल आदि, खनिज युक्त आहार, पारंपरिक भोज्य वस्तुएँ और ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थ , महोत्सव के दौरान हाथियों को कोई कार्य नहीं कराया गया। वे कीचड़ स्नान, तालाब में जल क्रीड़ा और वन भ्रमण का आनंद लिया । महावतों और सहायकों के लिए व्यवहार, प्रशिक्षण और देखभाल से संबंधित कार्यशालाएँ तथा जंगली हाथियों एवं अन्य वन्य प्राणियों के प्रबंधन में कैंप हाथियों की उपयोगिता तथा संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। लोक कला, चित्र प्रदर्शनी, विद्यालयों की भागीदारी और जन-जागरूकता कार्यक्रम किया गया । आगंतुकों को हाथियों की देखभाल की प्रक्रिया को नजदीक से समझने और अनुभव करने का अवसर मिला भारत की सांस्कृतिक विरासत में हाथियों के महत्व को दर्शाने वाला एक संवेदनशील और समर्पित प्रयास रहा। यह आयोजन बांधवगढ़ में जंगली हाथियों के लगातार निवास करने के कारण उनके विषय में जन जागरूकता बढ़ाने तथा यह आयोजन हमें उनकी सेवा, देखभाल और संरक्षण के लिए हमारे उत्तरदायित्व की याद दिलाता है।

दस दिवसीय शारदीय नवरात्रि पर्व की धूम

हरिभूमि न्यूज कोतमा। बुधवार को नवमी का पर्व मे मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। सुबह 4 बजे से श्रद्धालु महिला एवं पुरुष माता के दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचने लगे थे। शारदा काली माता मंदिर में सुबह 4 बजे से दोपहर तक माता को स्नान करवाने के लिए महिलाओं की लंबी कतार लगी रही। मंदिरों एवं दुर्गा पंडालों में माता का विशेष श्रृंगार किया गया था। नवमी को मां के सिद्धिदात्री रूप माता की पूजा विधि विधान से की गई। मंदिर एवं दुर्गा पंडालों में तथा घरों में कन्या भोजन का आयोजन किया गया था। दुर्गा पंडालों में कन्याओं का पैर पूजन के साथ उनका श्रृंगार करते हुए पैर में महावर लगाया गया एवं चुनरी सिर पर रखते हुए आरती उतारी गई। उसके उपरांत कन्याओं को भोजन करवाया गया और उपहार भी भेंट किए गए। नवमी के दिन शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन करने के लिए मंदिर एवं दुर्गा पंडालों में पहुंचनी शुरू हो गई थी यह क्रम देर रात तक चलता रहा। नगर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दुर्गा पंडालों में लगी रही। नवरात्रि के अंतिम दिन नगर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन भी किया गया था। शारदा काली मंदिर परिसर में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा नवरात्रि के प्रथम दिन से सुबह से लेकर देर रात तक भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की मन्नत पूरी होने पर सुबह से नगर की गलियों में बंद बजे की धुन पर श्रद्धालु घरों से दंड भरते हुए माता के दरबार पहुंचने नजर आए। सुबह से ही नगर में आस्था का सैलाब देखने को मिला। बूढ़ी माता मंदिर मे दिन के हिसाब से मंगलवार को ही जवारे का विसर्जन किया गया। जुलूस में काली खप्पर लेकर नाच रही थी। जुलूस में माता के जयकारे लगाते भक्त झूमते नजर आये।

गांधी जंयती 2 अक्टूबर को शुष्क दिवस घोषित

उमरिया

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने 2 अक्टूबर 2025 (गांधी जयंती) को शुष्क दिवस घोषित किया है। इस दौरान जिले की समस्त कम्पोजिट देशी/विदेशी मदिरा दुकाने, देशी मद्य भाण्डागार, बीयर बार एवं एफ.एल.-3ए दुकाने बंद रखी जाये। उन्होने कहा है कि शुष्क दिवस में कहीं भी मदिरा का अवैध विक्रय नही हो। तत्संबंध में सतत गश्त एवं निगरानी रखी जाए तथा आदेश का कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाए ।

उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा नवरात्रि

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। नवरात्रि का त्यौहार देश सहित गांव में बहुत उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है। समाज सेवा से जुड़े राजेंद्र विश्वकर्मा ने जानकारी दिया कि हमारे गांव के बने दुर्गा पंडाल देवी चौरा के पास एवं मेंन रोड मे दुर्गा की मूर्ति रखी गई है जिसमें विधि विधान सुबह शाम पूजा अर्चना की जा रही हैं। दोपहर महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान भक्त लोग व्रत रखकर भक्ति रस में डूबे हुए हैं और छोटे-छोटे बच्चियों द्वारा गरबा एवं डांडिया डांस प्रतियोगिता प्रस्तुत किया जा रहा है।

नवरात्रि के दोनों घरों में साफ सफाई एवं रंगोली बनाकर माता की पूजा अर्चना की जाती है इस शुभ मौके पर रंगोली घर के द्वार पर रोज सुबह शाम एवं माताजी के स्थान पर साक्षी विश्वकर्मा सुभाषिनी शिवानी विश्वकर्मा और सुमन श्रद्धा द्वारा रंगोली बनाई जाती है जिससे लोग रंगोली देख कर सबका मन मोह लेते हैं। दशहरा के दिन गांव में माताजी का मूर्ति घूमते हैं जहां घर-घर पूजा की जाती है डीजे के साथ भक्ति गाने गाते हुए रंग गुलाल उड़ते हुए माता का विसर्जन करने के पश्चात काली माता की सवारी निकाली जाती हैं।

हितग्राही सुखरनिया गोड़ को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जनपद पंचायत अनुपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जमुनिहा मे शासन के निर्देशानुसार वरिष्ठ योजना अंतर्गत शतायु 100 वर्ष पूर्ण कर चुके बृद्ध जनों का शाल, श्री फल, मिस्ठान. पुष्प माला 1000 रूपये दे कर सरपंच पंच ग्रामीण जनों के उपस्थिति मे सचिव रेखा शुक्ला द्वारा हितग्राही सुखरनिया पति स्व पिताम्बर सिंह गोड़ निवासी लेदरा जमुनिहा को सम्मानित किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पयारी क्रमांक-1 हायर सेकेंडरी विद्यालय प्रांगण में 50 फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामदास पुरी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश तिवारी, प्राचार्य मनोज तिवारी, ग्राम पंचायत दैखल के सरपंच दिगम्बर सिंह, जनपद सदस्य केशरदास महरा, रामप्यारे गौतम, बबलू गौतम, अमर सिंह, डिप्टी रेंजर अभिलाष सोनी, बीट गार्ड शंकर दीन द्विवेदी, दिगम्बर शर्मा, चौकीदार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज लगाया गया पौधा भविष्य की पीढ़ियों को शुद्ध वायु, फल और छाया प्रदान करेगा। इन्हें संजोना ही माँ के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

खबर संक्षेप

क्रीड़ा भारती महाकौशल प्रान्त के शहडोल के सह संयोजक बने नागेंद्र दुबे

अमलाई। क्रीड़ा भारती महाकौशल प्रान्त के शहडोल जिले के नागेंद्र दुबे 'शंखू' को सह

संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। इस घोषणा की जानकारी प्रान्त मंत्री डॉ. राकेश त्रिपाठी ने दी।क्रीड़ा भारती का उद्देश्य खेल के माध्यम से चरित्र निर्माण करना तथा चरित्र से राष्ट्र निर्माण की दिशा में समाज को प्रेरित करना है। शहडोल विभाग के अंतर्गत आने वाले तीनों जिले — अनुपपुर, शहडोल एवं उमरिया — में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का दायित्व अब दुबे निभाएँगे।इस अवसर पर प्रान्त अध्यक्ष अरुण सिंह, प्रान्त संगठन मंत्री कौशलेन्द्र सिंह, विभाग संयोजक डॉ. मदन त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष शहडोल पुष्पराज सिंह, जिला मंत्री शहडोल प्रमोद विश्वकर्मा सहित संगठन के कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने दुबे को शुभकामनाएँ व बधाई दी।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान से किसानों में बढ़ेगी जागरूकता: पटेल

उमरिया। मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विभाग लखन पटेल अल्प प्रवास पर बांधवगढ़ पहुंचे। इस अवसर पर उन्होने पत्रकारों से रूबरू चर्चा करते हुए बताया कि किसानों की पशु पालन से आय बढाने और दुग्ध उत्पादन को दो गुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश में 2 अक्टूबर 2025 से 9 अक्टूबर 2025 तक दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान शुरू हो रहा है।पहले चरण में 10 या 10 से अधिक गौवंश रखने वाले पशुपलकों से सपंर्क किया जाएगा (प्रजनन योग्य) दूसरे चरण चरण में 5 या अधिक गौवंश रखने वाले एवं तीसरे चरण में 5 या उससे कम गौ वंश रखने वाले पशु पलकों से संपर्क किया जाएगा। अभियान के दौरान सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी एवं मैत्री द्वारा पशुपालकों को पशु पोषण स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के संबध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य पशु नस्ल सुधार करना है जिससे भारी तादाद में सडकों में आवारा घूम रहे पशुओं की नस्ल में भी सुधार हो सकेगा और उनकी संख्या में कमी आएगी। दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा इससे हितग्राही अपने मवेशियों का भरपूर ध्यान रख सकेगा। स्वावलंबी गौशालाओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी 14 जगहों पर 5000 एकड़ में अलग-अलग जगह पर गौशालाएं बना रहे हैं जिसमें 5000 गायों से लेकर 25000 गायों को रखने का प्रावधान है,जो व्यावसाय के तौर पर होगा जिसमें गोबर गैस और अच्छी खाद बनाई जाएगी।अन्य जिलों में भी इसे विस्तारित करने का प्रावधान है। इस अवसर पर उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉक्टर के के पाण्डेय सहित विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रगान के साथ की गई शासकीय कामकाज की शुरूआत

उमरिया। संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान तथा मध्यप्रदेश गान के साथ शासकीय काम काज की शुरूआत की गई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

सिकल सेल एनीमिया के संबंध में निर्देश जारी

उमरिया। सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम एवं उपचार हेतु माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल के मार्गदर्शन में संचालक सह आयुक्त पंचायती राज संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल ने बताया कि जनजातीय प्रकोष्ठ की बैठक में प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में जिले में 2 अक्टूबर 2025 को होने वाली ग्राम सभाओं में सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर आयुष्मान आरोग्य केंद्रो से समन्वय स्थापित कर सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग करना सुनिश्चित किए जाने तथा आयु समूह 0-40 वर्ष के जनजातीय युवाओं को अनिवार्य रूप से जेनेटिक काउन्सलिंग कार्ड वितरण किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है,ताकि कार्ड मिलने के पश्चात ही विवाह संबंध का निर्णय लिया जा सके।

हर काल में माता आदिशक्ति जगत में जगदंबा की कृपा से ही अधर्म का नाश हुआ है: शक्तिपुत्र जी महाराज

ब्यौहारी।

पंचज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम ब्योहारी में आयोजित शक्तिचेतना जनजागरण आत्मोत्थान शिविर के प्रथम दिवस धर्म सम्राट युग चेतना पुरुष परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज ने उपस्थित भक्तों अपना आशीर्वाद एवं चेतनात्मक प्रवचन लोक कल्याण हेतु प्रदान किया। ब्यौहारी में स्थित पंचज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम जो देश का सबसे बड़ा नशा मुक्ति केंद्र के रूप में जाना जाता है, हर वर्ष की भांति अष्टमी नवमी विजयदशमी के पावन पर्व पर शक्ति चेतना जन जागरण शिविरों का आयोजन किया जाता है, इस श्रृंखला में इस वर्ष शक्ति चेतना जन जागरण आत्मोत्थान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें देश-विदेश से लाखों महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित हुए हैं। हजारों की संख्या में लोग अपने जीवन को नशे मांस से चरित्रवान होने का संकल्प लेकर, अपने जीवन में परिवर्तन करना चाहते हैं। उपस्थित जनसमुदाय गुरुदेव जी ने मां की चेतना और शक्ति का एहसास कराते हुए, कहा कि हर काल में माता आदिशक्ति जगत में जगदंबा की कृपा से ही अधर्म का नाश हुआ है, वर्तमान मन में भी धर्म का संतुलन बहुत कम हो गया है और चारों तरफ अन्याय धर्मों का बोल बाला है, उसके लिए हमें और अपने परिवार बच्चों सहित साधना समक्ष जीवन यापन करना होगा अपने बच्चों को नशे मांस मुक्त चरित्रवान करना होगा।*दस पैदा करने की सलाह देने वालों को दिखाया आइना*सनातन धर्म के कुछ धर्म प्रमुख अपने आप को झंडा बरदार मानने वाले लोग आए दिन सलाह देते रहते हैं कि हर किसी को 10 बच्चे पैदा करना चाहिए, शक्तिपुत्र जी महाराज ने कहा कि उन्होंने सनातन धर्म को ठीक से पहचाना ही नहीं, ऐसे लोग समाज का मार्गदर्शन में उठाकर करने लगते सौ करवो से अधिक पांच पांडव श्रेष्ठ होते हैं वर्तमान जी परिस्थितियों के अनुसार दोस्ती बच्चे ही पर्याप्त अगर बस शिक्षित चेतना वालों है अवगुणों से मुक्त हैं, अपराध से मुक्त है, बलवान है अपने धर्म की रक्षा और अपने समाज की रक्षा कर सकते हैं, अन्यथा जनसंख्या अनियंत्रित हो रही है अपराधियों के संख्या दिन-ब-दिन जा रही है रही है, जो स्वयं की रक्षा नहीं कर सकता वह अपने धर्म की रक्षा क्या करेगा ? कोई भी इस्लामिक आतंकवाद सनातन को नष्ट नहीं कर सकता अब इस धरा पर शक्तिपीठ की स्थापना होती है जो सत्य धर्म सनातन को दिल प्रतिदिन अपने ऊर्जा से अभिभूत करता हुआ प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा। *इस्लामिक चोला ओढे आतंकवादियों ने आई लव मोहम्मद का पोस्टर लगा कर दिया इस्लाम धर्म का अपमान*वर्तमान मे देश के कई शहरों में कुछ आतंकवादी और जिहादी मानसिकता के लोगों ने, आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगा कर देश में धार्मिक उन्माद पैदा करने का प्रयास किया है। वह इस तरह के पोस्ट लगाकर स्वयं अपने धर्म का अपमान कर रहे हैं यह एक सुनियोजित देश में दंगा करने की योजना और इस्लाम धर्म के सच्चे मानने वाले लोग इस षड्यंत्र के शिकार हो रहे हैं, जिस इस्लाम धर्म में बुत की पूजा को हराम कहां गया जो इस्लाम धर्म के लोग अपने मस्जिदों के अलावा वहीं सर नहीं झुकाते सब पोस्टर में आई लव का चित्र बनाकर उसे मोहम्मद पैगंबर बता रहे हैं। जब पुलिस के डंडे पढ़ते हैं तब वही आई लव मोहम्मद के पोस्टर पैरो नीचे द्वारा सड़कों पर रौदते जाते हैं, तब कहां जाता है इनका इस्लाम का सम्मान। यह कायर और नपुंसक है जो जिहादी मानसिकता और आतंकवाद के शिकार हैं देश में अराजकता और दंगा करने की मानसिकता है। सनातन धर्म के लोगों को संगठित और सचेत होने की आवश्यकता है, प्रशासन और देश के प्रमुख जिम्मेदार लोगों को इस तरह की आतंकवादी मानसिकता से निपटने की तैयारी बड़े स्तर पर करने की जरूरत है।शिविर में आए हुए लाखो लोगों के लिए भोजन भंडारे एवं आवास की निशुल्क व्यवस्था है। आज भी सुबह योग ध्यान साधना व दोपहर मे भजन जयकारे चिंतन शाम दिव्य आरती होगा तो वहीं विजयदशमी पर पर लाखों श्रद्धालु नशे मांस से मुक्ति चरित्रवान का संकल्प ले कर त्रिशक्तिपुत्र जी महाराज से गुरु दीक्षा सुबह 7:00 बजे प्राप्त करेंगे।

जिला उमरिया ब्लॉक इकाई पाली के सदस्यता अभियान की शुरुआत

बिरसिंहपुर पाली

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री सलभ भदोरिया जी के निर्देशन पर आज एक अक्टूबर 2025 को जिला उमरिया ब्लॉक इकाई पाली के सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई जिसमें मुख्य अतिथि संभागीय महासचिव श्री राम सजीवन उपाध्याय जिला पदाधिकारी शंभू नाथ सोनी ओम प्रकाश अग्रवाल सोहनलाल बर्मन अशोक सिंह ओम प्रकाश अवधिया पुष्पराज सिंह एवं नए सदस्य के रूप में विक्की दहिया आज की बैठक में भाग लिए

बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है विजयादशमी का पर्व: दिलीप

बिरसिंहपुर पाली

भारत भूमि उत्सवों की भूमि है। यहां प्रत्येक पर्व न केवल वो धार्मिक आस्था से जुड़ा होता है, बल्कि जीवन मूल्यों और सामाजिक संदेश का वाहक भी होता है। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने कहा कि इन्हीं पावन पर्वों में से एक है विजयदशमी, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। यह पर्व आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। विजयदशमी का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत गहरा है।विजयदशमी का सबसे प्रमुख कारण है—मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की लंका पर विजय। रामायण के अनुसार, जब रावण ने माता सीता का हरण किया, तब श्रीराम ने धर्म और सत्य की रक्षा के लिए असत्य और अधर्म के प्रतीक रावण का वध किया। यह घटना इस तथ्य को सिद्ध करती है कि चाहे असत्य कितना भी बलवान क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की विजय निश्चित है।भारत के कोने-कोने में इस दिन अलग-अलग तरीके से उत्सव मनाया जाता है। कहीं पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन कर असत्य पर सत्य की जीत का संदेश दिया जाता है, तो कहीं पर शक्ति की आराधना के रूप में इसे मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। बंगाल और पूर्वी भारत में यह पर्व दुर्गा विसर्जन के रूप में समाप्त होता है, जहां भक्त माता दुर्गा को विदा कर अगले वर्ष पुनः आने का आमंत्रण देते हैं।विजयदशमी हमें केवल ऐतिहासिक घटनाओं की याद नहीं दिलाती, बल्कि यह संदेश देती है कि प्रत्येक इंसान के भीतर भी एक रावण छिपा होता है—क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, अहंकार और अन्य दुर्गुणों के रूप में। इस दिन का पावन अवसर हमें प्रेरित करता है कि हम इन बुराइयों का दहन करें और अपने जीवन में अच्छाइयों को स्थान देंयह पर्व समाज को भी एकजुट करने का कार्य करता है। रामलीला के मंचन, मेले, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक उत्सव लोगों के बीच भाईचारा और उत्साह का संचार करते हैं। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएँ सभी मिलकर इस अवसर को उल्लासपूर्वक मनाते हैं।आज के युग में विजयदशमी का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ और प्रतिस्पर्धा में हम अक्सर नैतिक मूल्यों को भूल जाते हैं। ऐसे में यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि शक्ति तभी सार्थक है जब उसका प्रयोग धर्म और न्याय के लिए किया जाए। विजयदशमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का अवसर है।अतः, विजयदशमी का पर्व हमें यह सिखाता है कि चाहे परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो, यदि हम सत्य और धर्म के मार्ग पर चलें, तो विजय निश्चित रूप से हमारी होगी। श्री पांडे ने कहा कि इस पर्व का सनातन संदेश है,सत्यमेव जयते।

गरबा उत्सव में थिरकते प्रतिभागियों ने मनमोहक नयनाभिराम प्रस्तुति देकर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

अमलाई।

नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 6 स्थित दुर्गा मंदिर चौक में नवरात्र के पावन अष्टमी पर्व पर भव्य डांडिया गरबा कार्यक्रम पवन कुमार चीनी मित्र मंडली द्वारा आयोजित किया गया। स्मरणीय हो कि शारदीय नवरात्रि में यह गरबा नृत्य मां दुर्गा को प्रसन्न करने और नवरात्रि के उत्सव को मनाने का एक माध्यम है। गरबा महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत नगर के गणमान्य नागरिक व समाजसेवियों द्वारा मां दुर्गा का पूजन अर्चन व दीप प्रज्वलित करके महाआरती के साथ की गई। महाआरती में सभी प्रतिभागियों ने एक साथ मिलकर मां के भव्य दरबार में दीपक को हाथों में लेकर मां की भव्य आरती की। इसके बाद गणेश वंदना नृत्य किया गया गरबा कार्यक्रम में लगभग 500 की महोत्सव प्रतिभागियों ने भाग लिया और मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी दर्शको को रोमांचित कर दिया सभी प्रतिभागियों को पवन कुमार चीनी मित्र मंडली द्वारा सांत्वना पुरस्कार दिया गया । गरबा महोत्सव में प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष रश्मि खरे, थाना प्रभारी सुंदरेष मरावी सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सूरज श्रीवास्तव ने किया।

मित्रता गरीबी अमीरी देखकर नहीं होती -पुष्पेंद्र पुराणिक

बिछिया टोला में भागवत कथा का समापन, भंडारे का हुआ आयोजन

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत बिछिया टोला में नवरात्रि में मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना निरंतर की जाती है जहां सभी वार्ड वास नवरात्रि की उत्सव में धूमधाम से सम्मिलित होते हैं इस बार नवरात्रि में भागवत कथा का भी आयोजन किया गया भागवत कथा के व्यास पुष्पेंद्र पुराणिक ने भागवत कथा का वाचन किया समापन के दिन सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि मित्रता गरीबी अमीरी देखकर नहीं करना चाहिए और अपने बचपन के मित्र को कभी भूलना नहीं चाहिए यदि बचपन का मित्र किसी मामले में हमसे पिछड़ जाए तो उसकी सहायता करना चाहिए जैसे भगवान कृष्ण ने किया और सहायता करते समय यह नहीं जताना चाहिए की जिससे मित्र का सिर झुक जाए भगवान कृष्ण ने सुदामा को पर्दे की पीछे सब कुछ दे दिया लेकिन सुदामा को पता भी नहीं चलने दिया ऐसी मित्रता होनी चाहिए भागवत कथा के बीच में भजन से श्रोता भाव विभोर हो गए ब्यौहारी नगर का यह पहला मामला ही है कि मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने भागवत कथा का आयोजन किया गया भागवत कथा कथा में यजमान स्थानीय समिति के सदस्य ही बने समिति के सहयोग में प्रमुख रूप से उज्जवल केसरी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, अंकित गुप्ता, शालू गुप्ता छोटू, सुदामा गुप्ता , राकेश गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की नई भर्ती पर रोक

पुराना चयन बहाल करने का आदेश न्यायालय ने विश्वविद्यालय को जवाब तलब किया

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल में गैर-शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया पर आखिरकार जबलपुर हाईकोर्ट का कठोर निर्णय सामने आ गया है। सहायक ग्रेड-3, पुस्तकालय सहायक और प्रयोगशाला तकनीशियन जैसे पदों पर वर्षों से लंबित भर्ती को लेकर मचे विवाद पर अदालत ने विश्वविद्यालय प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। न्यायालय ने विश्वविद्यालय द्वारा पुनः भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने के आदेश को निरस्त कर दिया है और पुराने चयन को बहाल करने का निर्देश दिया है।

यह मामला 07 दिसंबर 2021 को जारी विज्ञापन से शुरू हुआ था। परीक्षा सम्पन्न हुई, परिणाम घोषित हुआ, लेकिन मेरिट सूची सार्वजनिक नहीं की गई। याचिकाकर्ता—जिन्होंने परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था, उन्होंने विश्वविद्यालय से नियुक्ति आदेश की मांग की, जिस पर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने विश्वविद्यालय को चयन प्रक्रिया पूर्ण कर नियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया, मगर विश्वविद्यालय ने आदेश की अवहेलना कर दी। इसके बाद अवमानना याचिका क्रमांक 132/2023 दाखिल की गई। इसी बीच कुलपति परिवर्तन हुआ और विश्वविद्यालय ने कार्यकारी परिषद की बैठक 03फरवरी 2023 के हवाले से पुराने चयन को निरस्त कर नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का फरमान जारी कर दिया।

विश्वविद्यालय की मनमानी पर कोर्ट का प्रश्नचिह्न – न्यायालय ने 07 अगस्त 2025 को यह पाया कि विश्वविद्यालय ने अपने उत्तर में कहा कि कई शिकायतें और अभ्यावेदन मिलने के कारण प्रक्रिया रद्द की गई, लेकिन आदेश में इसका कोई उल्लेख तक नहीं है। अदालत ने इस विसंगति को गंभीर प्रशासनिक असंगति मानते हुए विश्वविद्यालय को विशिष्ट हलफनामा दायर करने का आदेश दिया, जिसमें शिकायतों, जांच समिति की रिपोर्ट और निरस्तीकरण के कारणों का स्पष्ट विवरण मांगा गया। इसके बाद विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त हलफनामा दायर किया, जिसमें कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों ने अंकों को लेकर असंतोष व्यक्त किया और मॉडल उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की मांग की। इसी के बहाने विश्वविद्यालय ने पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त घोषित कर दिया।

जांच समिति के गठन में खेल – दस्तावेजों के अनुसार, 08 सितंबर 2022 को कुलसचिव ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से 22, 26 और 28 सितंबर 2022 को मात्र दस दिनों में समिति का चार बार पुनर्गठन किया गया। प्रारंभिक समिति में शामिल डॉ. पंकज श्रीवास्तव (अपर निदेशक, उच्च शिक्षा) जिन्हें एक स्वतंत्र और अनुभवी सदस्य के रूप में जोड़ा गया था, उसको बाद में बिना कारण हटा दिया गया। आदेशों में पुनर्गठन के कारणों का कोई उल्लेख नहीं, जिससे याचिकाकर्ताओं का यह तर्क मजबूत हुआ कि समिति का स्वरूप 'पूर्व-निर्धारित निष्कर्ष' के अनुरूप बदला गया था।

जांच रिपोर्ट की आठ बड़ी विसंगतियाँ – समिति ने अपनी रिपोर्ट में आठ प्रमुख त्रुटियाँ बताईं, परीक्षा अधिसूचना में 200 अंकों का उल्लेख था, पर परीक्षा 100 अंकों की कराई गई। चयन समिति का गठन नहीं किया गया। परीक्षा एजेंसी के चयन का कोई

प्रमाण नहीं। अपात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी हुए। परीक्षा केंद्र के नाम में विश्वविद्यालय का ही नाम गलत लिखा गया। कुछ अभ्यर्थियों के बीच टेलीफोन पर रिश्वत की चर्चा। परिणाम घोषित होने के बाद आपत्तियाँ नहीं मांगी गईं। प्रश्नपत्र और अधिसूचना में अनुवाद संबंधी गंभीर त्रुटियाँ। हालाँकि, विश्वविद्यालय के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि यह विश्वविद्यालय का नियोक्ता अधिकार है कि वह यदि चाहे तो चयन प्रक्रिया रद्द कर पुनः प्रारंभ कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिकायतों की समीक्षा तीन सदस्यीय समिति ने की और नई प्रक्रिया की अनुशंसा दी।

हाईकोर्ट का दो टूक फैसला– न्यायालय ने यह साफ किया कि चयन प्रक्रिया को रद्द करने के लिए ठोस, सार्वजनिक और तर्कसंगत कारण होना आवश्यक है। सत्ता परिवर्तन या कुलपति की नई प्राथमिकताएँ इस निर्णय का आधार नहीं बन सकतीं। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के अनेक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि नियुक्ति न करने का निर्णय भी यदि मनमाना हो, तो वह न्यायिक समीक्षा के दायरे में आएगा (शंकरशन दास बनाम भारत संघ, एस.एस. बालू बनाम केरल, दिनेश कुमार कश्यप बनाम दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)। कोर्ट ने पाया कि विश्वविद्यालय के आदेश में बताए गए कारण और अदालत में दिए गए तर्कों में कोई सामंजस्य नहीं है। शिकायतों का कोई सार्वजनिक उल्लेख नहीं किया गया, न ही जांच रिपोर्टों को साझा किया गया। समिति का चार बार पुनर्गठन संवेदनशीलता से रहित प्रशासनिक हस्तक्षेप माना गया। अदालत ने कहा कि यह पूरा निर्णय अतार्किक, अपूर्ण और मनमाना है।

अदालत के निर्देश– न्यायालय ने विश्वविद्यालय को आदेशित किया कि वह तुरंत मॉडल उत्तर कुंजी जारी करे, अभ्यर्थियों से आपत्तियाँ आमंत्रित करे, आपत्तियों का निस्तारण कर अंतिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करे, 45 दिनों के भीतर चयन समिति गठित कर अंतिम चयन सूची तैयार करे। इस प्रकार न्यायालय ने विश्वविद्यालय के आदेश और जांच रिपोर्ट दोनों को निरस्त कर दिया।

मुख्य प्रश्न जो न्यायालय ने उठाए – पूर्व चयन को रद्द करने के क्या कारण थे और क्या वे लिखित रूप में अंकित हैं? विश्वविद्यालय ने शिकायतों व जांच रिपोर्टों का सार्वजनिक उल्लेख क्यों नहीं किया? समिति को बार-बार पुनर्गठित करने का औचित्य क्या था? क्या यह निर्णय सत्ता परिवर्तन आधारित प्राथमिकताओं के तहत लिया गया? यह ऐतिहासिक फैसला उन सभी अभ्यर्थियों के लिए उम्मीद की किरण बना है जो वर्षों से विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे थे। इस मामले की पैरवी जबलपुर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता अभिषेक पांडे द्वारा की गई।

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाया जा रहा नवरात्रि का त्यौहार

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। नवरात्रि का त्यौहार देश सहित गांव में बहुत उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है। समाज सेवा से जुड़े राजेंद्र विश्वकर्मा ने जानकारी दिया कि हमारे गांव के बने दुर्गा पंडाल देवी चौरा के पास एवं मेंन रोड मे दुर्गा की मूर्ति रखी गई है जिसमें विधि विधान सुबह शाम पूजा अर्चना की जा रही हैं। दोपहर महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान भक्त लोग व्रत रखकर भक्ति रस में डूबे हुए हैं और छोटे-छोटे बच्चियों द्वारा गरबा एवं डांडिया डांस प्रतियोगिता प्रस्तुत किया जा रहा है। नवरात्रि के दोनों घरों में साफ सफाई एवं रंगोली बनाकर माता की पूजा अर्चना की जाती है इस शुभ मौके पर रंगोली घर के द्वार पर रोज सुबह शाम एवं माताजी के स्थान पर साक्षी विश्वकर्मा सुभाषिनी शिवानी विश्वकर्मा और सुमन श्रद्धा द्वारा रंगोली बनाई जाती है जिससे लोग रंगोली देख कर सबका मन मोह लेते है। दशहरा के दिन गांव में माताजी का मूर्ति घूमते हैं जहां घर-घर पूजा की जाती है डीजे के साथ भक्ति गाने गाते हुए रंग गुलाल उड़ते हुए माता का विसर्जन करने के पश्चात काली माता की सवारी निकाली जाती हैं।

हितग्राही सुखरनिया गोड़ को किया गया सम्मानित

कोतमा। जनपद पंचायत अनुपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जमुनिहा मे शासन के निर्देशानुसार वरिष्ठ योजना अंतर्गत शतायु 100 वर्ष पूर्ण कर चुके बृद्ध जनों का शाल, श्री फल, मिस्ठान. पुष्प माला 1000 रूपये दे कर सरपंच पंच ग्रामीण जनों के उपस्थिति मे सचिव रेखा शुक्ला द्वारा हितग्राही सुखरनिया पति स्व पिताम्बर सिंह गोड़ निवासी लेदरा जमुनिहा को सम्मानित किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया पौधरोपण

कोतमा। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पयारी क्रमांक-1 हायर सेकेंडरी विद्यालय प्रांगण में 50 फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामदास पुरी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश तिवारी, प्राचार्य मनोज तिवारी, ग्राम पंचायत दैखल के सरपंच दिगम्बर सिंह, जनपद सदस्य केशरदास महरा, रामप्यारे गौतम, बबलू गौतम, अमर सिंह, डिप्टी रेंजर अभिलाष सोनी, बीट गार्ड शंकर दीन द्विवेदी, दिगम्बर शर्मा, चौकीदार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज लगाया गया पौधा भविष्य की पीढ़ियों को शुद्ध वायु, फल और छाया प्रदान करेगा। इन्हें संजोना ही माँ के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

दुकानदारी की रंजिश मे राहुल गुप्ता पर जानलेवा हमला

कोतमा। कपड़े की दुकान संचालित करने वाले राहुल कुमार गुप्ता (32) पर 28 सितंबर की रात उस समय हमला किया गया, जब वह अपनी दुकान से घर लौट रहे थे। आरोप है कि पड़ोसी दुकानदार महेश गुप्ता पिता ललन प्रसाद, महेश कलेक्शन, हनुमान तिराहा, वॉर्ड 6 ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। कोतमा पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपी महेश गुप्ता के खिलाफ भारत न्याय संहिता की धारा 296, 115(2) और 351(3) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। शिकायतकर्ता राहुल गुप्ता ने पुलिस को बताया कि 28 सितंबर की रात करीब 8-30 बजे वह अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे, तभी महेश गुप्ता ने उन्हें रास्ते में रोककर पहले अपमानजनक बाते कही और फिर नाक पर घूसा मारा। इसके बाद उन्होंने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। अगले दिन मिलोगे तो जान से खत्म कर दूँगा, ङ्क यह धमकी राहुल ने अपनी रिपोर्ट में दर्ज कराई है।

विवाद का जड़ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा - दोनों दुकानदारों की दुकानें पास-पास हैं। राहुल की दुकान पर ग्राहकों की संख्या अधिक होने से महेश लंबे समय से ईर्षया रखता था। यह पुरानी प्रतिस्पर्धा अब निजी रंजिश में बदल गई, जिसका परिणाम यह हिंसक घटना रही। स्थानीय लोगों के अनुसार महेश गुप्ता पूर्व में भी कई बार विवादों में रहा है और उसके व्यवहार को लेकर पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं।

आस्था और रोमांच का अद्वितीय संगम

शहरे पर बदरा में भव्य काली माता का जुलूस

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा।

दशहरे के अवसर पर बदरा का माहौल एक बार फिर शक्ति, भक्ति और उत्साह से गूंज उठेगा। महामाया मंदिर परिसर से ठाकुर बाबा तक निकले वाला काली माता का विशाल और परंपरागत जुलूस इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण बनेगा। पिछले कई दशकों से चली आ रही यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि बदरा और आसपास के ग्रामीण अंचल की सांस्कृतिक धरोहर भी है। नवरात्रि के नौ दिन की पूजा और साधना के बाद दशहरे के दिन काली माता की सवारी पूरी भव्यता और रहस्यमयता के साथ निकलती है। विशेष रूप से खप्पर की परंपरा श्रद्धालुओं में अद्भुत उत्साह और ऊर्जा भर देती है। जुलूस में माँ काली की झांकी के साथ अन्य देवी-देवताओं के रूप भी सजीव रूप में दिखाई देंगे। ढोल नगाड़ों की थाप, मंत्रोच्चार, पारंपरिक वेशभूषा और आकर्षक झांकियाँ माहौल को अलौकिक बना देती हैं। ग्रामीण अंचलों से उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ा देती है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर वर्ग के लोग जुलूस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। रंग-बिरंगे वेशभूषाओं में सजे ग्रामीण जुलूस को और जीवंत और आकर्षक बना देते हैं। काली माता का तेजस्वी स्वरूप श्रद्धालुओं को भक्ति और रोमांच की अद्वितीय अनुभूति कराता है। स्थानीय मंदिर समिति और ग्रामीण मिलकर जुलूस की तैयारियों में जुटे हैं। सुरक्षा, रोशनी और ध्वनि व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि यह ऐतिहासिक आयोजन सुरक्षित और यादगार बने। यह जुलूस केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि बदरा की अमिट सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन की परंपरा है, जो हर वर्ष दशहरे पर हजारों श्रद्धालुओं के हृदयों में भक्ति, उल्लास और रोमांच की अनुभूति कराता है।

दस दिवसीय शारदीय नवरात्रि पर्व की धूम

हरिभूमि न्यूज कोतमा। बुधवार को नवमी का पर्व मे मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। सुबह 4 बजे से श्रद्धालु महिला एवं पुरुष माता के दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचने लगे थे। शारदा काली माता मंदिर में सुबह 4 बजे से दोपहर तक माता को स्नान करवाने के लिए महिलाओं की लंबी कतार लगी रही। मंदिरों एवं दुर्गा पंडालों में माता का विशेष श्रृंगार किया गया था। नवमी को मां के सिद्धिदात्री रूप माता की पूजा विधि विधान से की गई। मंदिर एवं दुर्गा पंडालों में तथा घरों में कन्या भोजन का आयोजन किया गया था। दुर्गा पंडालों में कन्याओं का पैर पूजन के साथ उनका श्रृंगार करते हुए पैर में महावर लगाया गया एवं चुनरी सिर पर रखते हुए आरती उतारी गई। उसके उपरांत कन्याओं को भोजन करवाया गया और उपहार भी भेंट किए गए। नवमी के दिन शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन करने के लिए मंदिर एवं दुर्गा पंडालों में पहुंचनी शुरू हो गई थी यह क्रम देर रात तक चलता रहा। नगर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दुर्गा पंडालों में लगी रही। नवरात्रि के अंतिम दिन नगर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन भी किया गया था। शारदा काली मंदिर परिसर में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा नवरात्रि के प्रथम दिन से सुबह से लेकर देर रात तक भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की मन्नत पूरी होने पर सुबह से नगर की गलियों में बंद बजे की धुन पर श्रद्धालु घरों से दंड भरते हुए माता के दरबार पहुंचने नजर आए। सुबह से ही नगर में आस्था का सैलाब देखने को मिला। बूढ़ी माता मंदिर मे दिन के हिसाब से मंगलवार को ही जवारे का विसर्जन किया गया। जुलूस में काली खंप्पर लेकर नाच रही थी। जुलूस में माता के जयकारे लगाते भक्त झूमते नजर आये।

शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई

जैतहरी पुलिस के अवैध रेत परिवहन रेड कार्यवाही के दौरान का मामला

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। 30 सितम्बर को मुखबिर सूचना मिली की गुजर नाला से एक स्वराज कंपनी का नीले रंग का ट्रेक्टर का चालक अवैध रेत ट्रैक्टर में लोड कर निकलने वाला है। सूचना पर सूचना की तस्दीक एंव कार्यवाही हेतु मुखबिर के बताये उपरोक्त स्थान पर रेड कार्यवाही की गई जो एक स्वराज कंपनी के ट्रेक्टर मय नीले रंग ट्राली मे रेत भरा हुआ था चालक पुलिस की गाड़ी देखकर भाग गया जो उपरोक्त ट्रैक्टर चालक के द्वारा खनिज रेत गूजर नाला ग्राम उमरिया से चोरी कर परिवहन करते पाए जाने से मौके पर अवैध खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही के दौरान मौके पर अभिनय शर्मा, राकेश रजक, प्रभात जायसवाल सभी निवासी सिवनी थाना मरवाही (छत्तीसगढ़) एवं दशरथ सिंह निवासी उमरिया थाना जैतहरी के ट्रैक्टर के सामने आकर खड़े हो गए कहने लगे ट्रैक्टर नहीं ले जाने देंगे, उक्त लोगों द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर विवाद करने लगे, तत्काल थाना स्टाफ को फोन से सूचना दी तो सभी मौके से भाग गए स बाद ट्रैक्टर मय अवैध रेत के थाना प्रांगण लाकर सुरक्षित खड़ा कराया स उपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध धारा 303 (2), 317(2), 132, 221, 126 (2) इदे एवं 4/21 खान खनिज अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एवं फरार आरोपियों अभिनय पिता राजेंद्र शर्मा ,प्रभात पिता जगदीश जायसवाल, राकेश पिता दिनेश रजक सभी निवासी ग्राम सिवनी थाना मरवाही जिला जी पी एम (छ. ग़.) एवं दशरथ पिता हरिसिंह निवासी ग्राम उमरिया थाना जैतहरी की पता तलाश कर पुलिस अभिरक्षा में लेकर वैधानिक कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही मे पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनूपपुर के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी जैतहरी निरी. अमर वर्मा, सउनि जयसिंह, सुरेश कुमार कोरी, प्रआर श्रीश्याम शुक्ला, विवेक त्रिपाठी, मनोज सिंह, संतोष जायसवाल, विनय त्रिपाठी, राजकुमार मार्को, आर मनीष सिंह तोमर, नरेन्द्र जाट की भूमिका रही।

आज नगर से मैहर रवाना होगी पद रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

विजयदशमी पर्व पर नगर के बस स्टैंड एवं वार्ड क्रमांक एक से माता रानी का रथ नगर भ्रमण उपरांत पद यात्रियों के जत्थे के साथ मैहर तक रवाना होगा। रास्ते से बदरा के सकोला गांव से भी माता की एक झांकी पदरथ यात्रा के लिए रवाना होगी। बता दें कि बस स्टैंड में स्थित मां शैलपुत्री भक्ति मंडल समिति के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने पर विजयदशमी के दिन कोतमा से मैहर विशाल पदरथ यात्रा लेकर जाएगी। आयोजन मंडली के सदस्यों द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई हैं। धार्मिक नगरी कोतमा से मैहर यात्रा ले जाने की प्राचीन एवं सनातनी परंपरा चली आ रही है। इसके पूर्व भी वर्ष 1987,90,93, 2015 एवं 21 में भी विशाल एवं भव्य यात्रा कोतमा से मैहर तक गई थी। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं की संख्या में महिला, पुरुष युवा शामिल रहते हैं। दशहरे के दिन दोपहर में मां दुर्गा की झांकी को नगर के प्रमुख मार्गों पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसका जगह जगह स्वागत पुष्प वर्षा एवं पूजा अर्चना किया जाएगा। यात्रा के दौरान पूरे नगरवासी उमड़ पड़ेंगे। शाम को यात्रा बदरा होकर फुनगा पहुंचेगी जहां भोजन एवं रात्रि विश्राम किया जाएगा। सुबह 3 अक्टूबर को भक्तों का जत्था चचाई होते हुए रात्रि विश्राम बुढार में करेगी।, 4 अक्टूबर को शहडोल भ्रमण करते हुए रात्रि विश्राम घुनघुटी में होगा, 5 को दिन में पाली होते हुए रात को ज्वालाधाम उचेहरा रुकेगी, 6 को खितौली रोड एवं कुआंगांव में यात्रा रहेगी। 7 अक्टूबर को बरही होते हुए रात का भोजन एवं ठहरना भदनपुर में एवं 8 अक्टूबर को मैहर पहुंच नगर भ्रमण एवं प्रतिमा विसर्जन कर दर्शन उपरांत सभी भक्तों की नगर वापसी होगी। समिति द्वारा पंजीयन कराते हुए व्यापक तैयारी की जा रही है। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर जाएंगे। जिनके वस्त्र, भोजन, रुकने, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाएं समिति प्रदान करेगी। कोतमा नगर एवं उससे लगे आधा सैकड़ा से ज्यादा गांवों में इस धार्मिक यात्रा को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सैकड़ो की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष यात्रा की तैयारी में जुट गए है।

असत्य पर सत्य की जीत-दशहरा आजः जिले भर में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जायेगा पर्व

आकर्षण का केंद्र रहेंगे खप्पर नृत्य सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त, असामाजिक तत्वों पर पुलिस कसेगी नकेल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय की जीत का पर्व दशहरा आज जिला मुख्यालय सहित आर्थिक नगरी कोतमा एवं कोयलांचल तथा ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोउल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। अन्याय के प्रतीक रावण का दहन किया जाएगा। आयोजन जिलेभर में होगा। जिला मुख्यालय में मुख्य कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मनाया जाएगा वही कोतमा नगर में रावण दहन का कार्यक्रम ठाकुर बाबा धाम मैदान में किया जाएगा। प्रभु श्रीराम द्वारा अहंकारी रावण का मानमर्दन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।दशहरा, हिंदूओं का प्रमुख त्यौहार है। हर वर्ष यह पर्व आश्विन मास शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन मनाया जाता है। पूरे देश में यह परंपरा है कि विजयादशी के दिन रावण के पुतले को फूंका जाता है। दशहरा का त्यौहार दीवाली से ठीक 20 दिन पहले आता है। अष्टमी और नवमी तिथियों को दुर्गा पूजा एक ही दिन हुई। हिंदू धर्म में दशहरा बड़ा त्योहार माना जाता है। ये दिन पूजा, पाठ और खरीदारी के लिए बहुत शुभ होता है, क्योंकि दशहरा यानि विजयादशमी पर सर्वकार्य सिद्ध करने वाला अबूझ मुहूर्त रहता है।

रावण के अहंकार का होगा दहन

जिला मुख्यालय मे उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण मे तो कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम मैदान में नगर पालिका के द्वारा रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है। नगर पालिका के द्वारा 40 फ़ीट रावण के पुतले का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। नगर पालिका के द्वारा जमकर आतिशबाजी के साथ भगवान श्री राम एवं लक्ष्मण की झांकी निकाली जाएगी उसके उपरांत भगवान राम के द्वारा रावण का वध किया जाएगा। 40 फीट के रावण के पुतले का दहन होगा। रात्रि आठ बजे रावण पुतला दहन कार्यक्रम होगा। शाम 6 बजे प्रभु श्रीराम का विजय जुलूस निकलेगा। जुलूस शोभायात्रा के रूप में पूरे नगर का भ्रमण करते हुए ठाकुर बाबा धाम मैदान में समाप्त होगा।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस

कोतमा मे शाम पांच बजे शारदा काली मंदिर से शोभायात्रा निकलेगी। प्रभु श्रीराम का विजयरथ सबसे आगे होगा। शेष झांकियां पीछे रहेंगी। समारोह में नागरिकों के साथ ही आसपास के ग्रामीण भारी संख्या मे शामिल होंगे। चल समारोह जुलूस शारदा काली मंदिर से प्रारंभ होगी जो सेंट्रल बैंक पंचायती मंदिर स्टेशन चौक पुराना अस्पताल रोड गांधी चौक महावीर मार्ग पुराना स्टेट बैंक चौक आजाद चौक सब्जी मंडी रोड गुरुद्वारा रोड मुखर्जी चौक बस स्टैंड से ठाकुर बाबा धाम मंदिर मैदान पहुंचेगी। वहां पूजा अर्चना के बाद समापन होगा। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने भी तैयारी कर ली है। नगर में जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। हर चौराहे व मुख्य मार्ग पर पुलिस बल मौजूद रहेगा। कोतमा थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि जिला पुलिस बल एवं स्थानीय पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। हर झांकी के साथ पुलिसकर्मी चलेंगे। सिविल ड्रेस में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। समारोह पर नजर रखी जाएगी। असामाजिक तत्वों पर सीसी कैमरे से भी निगरानी की जायेगी।

आकर्षण का केंद्र रहेंगे खप्पर नृत्य

विजयदशमी पर्व शारदा काली माता मंदिर से चल समारोह जुलूस निकाला जाएगा जिसमें खप्पर नृत्य एवं काली नृत्य मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। निकाले जाएंगे जवारे- शारदेय नवरात्रि के समापन के पश्चात मंदिरों में बोये गए जवारे का जुलूस निकाला जाएगा। विजयदशमी पर लगभग 10000 लोगों की भीड़ जुटेगी। जिसको देखते हुए नगर के समाजसेवी व्यापारी युवाओं के द्वारा नगर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सर्व धर्म सद्भावना का प्रतीक पुराना स्टेट बैंक रोड में हिंदू मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा भंडारे का आयोजन किया जाता है। आयोजित भंडारे में कोई हलवा पुरी चना खीर आलूबंडा एवं फल तथा कढ़ी चावल के प्रसाद का वितरण किया जाता है। भंडारा दोपहर से शुरू होकर देर रात तक निरंतर चलता है।

कुंड में होगा विसर्जन

नगर पालिका के द्वारा बुढानपुर रोड में कुंड बनाया गया है। जहां पर नगर पालिका के द्वारा सारी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है। विसर्जन स्थल पर रोशनी की व्यवस्था की गई है तथा सहायता केंद्र भी बनाया गया है। विसर्जन स्थल पर यस डी यम अजीत तिर्की यस डी ओ पी आरती शाक्य तहसीलदार दशरथ सिंह व्यवस्थाओं पर नजर रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हैं। विसर्जन कुंड स्थल पर नगर पालिका के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन क्रेन के माध्यम से नगर पालिका के द्वारा करवाया जाएगा। विजयादशमी के चल समारोह कार्यक्रम में भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए वाहनों के मार्गो का रूट डायवर्ट किया है।

प्रतिमा विसर्जन कुंड का कलेक्टर ने लिया जायजा

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला मुख्यालय अनूपपुर के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप बनाए गए मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन कुंड स्थल का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन संबंधी तैयारियों का अवलोकन करते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सर्व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी अनूपपुर कमलेश पुरी, नगर पालिका अनूपपुर के विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह, उपयंत्री बृजेश पाण्डेय सहित अन्य सर्व संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान विसर्जन कुंड के समीप बेरीकेटिंग, गोताखोरों की उपस्थिति, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई व्यवस्था, सुरक्षा आदि के संबंध में उचित व्यवस्थाओं के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विसर्जन के दौरान सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद होनी चाहिए, ताकि किसी भी तरह से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना न करना पड़े।